दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : १० | अंक:०१ | मुंबई, शुक्रवार ०१ मई २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर 5 की जलकर मौत, आग का गोला बनी गाड़ी; वैष्णो देवी से लौट रहा था परिवार

मुंबई : दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बुधवार रात दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार अचानक आग की चपेट में आ गई। कार में सवार पांचों लोगों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई जबकि ड्राइवर ने कूदकर अपनी

जान बचा ली। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं जो वैष्णो देवी से अपने घर लौट रहे थे। सभी मृतक मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के रहने वाले थे। हालांकि अब तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस भी हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

हादसा कैसे हुआ?

बताया जा रहा है कि हादसे के समय कार की रफ्तार काफी ज्यादा थी। इसी वजह से जब गाड़ी में अचानक आग लगी, तो परिवार के सदस्य खुद को बचा नहीं सके। काफी मशक्कत के बाद ड्राइवर ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें कार आग का गोला बनी नजर आ रही है। हादसे के चलते यातायात भी प्रभावित हुआ।

तकनीकी खराबी या लापरवाही?

नदियों और नालों की सफाई में सख्त निगरानी के निर्देश

मुंबई : नदियों और नालों से गाद निकालने के काम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए अब डिप्टी और असिस्टेंट इंजीनियरों को पूरे समय साइट पर मौजूद

रहना होगा। एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर (प्रोजेक्ट्स) अभिजीत बांगर ने बुधवार को चेतावनी देते हुए कहा कि हर नाले और हर दिन के काम की सख्त प्लानिंग के अनुसार निगरानी जरूरी है और सिस्टम में रोजाना अपडेट करना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्री-मानसून तैयारियों के तहत चल रहे गाद निकालने के कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खासकर तैरते हुए ठोस कचरे, जैसे प्लास्टिक, को रोकने के लिए संवेदनशील स्थानों पर जालीदार बैरियर लगाना जरूरी कर दिया गया है। यदि यह व्यवस्था लागू नहीं की गई तो कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई में मानसून से पहले नदियों और बड़े-छोटे नालों की सफाई का काम तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में अभिजीत बांगर ने पश्चिमी उपनगरों में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने गोरेगांव (ईस्ट) स्थित वलभट नदी, गोरेगांव (वेस्ट) मेट्रो स्टेशन के पास ओशिवारा नदी, गजधरबंध पंपिंग स्टेशन के पास एस्ऊऊ नाला और सांताक्रूज़ (वेस्ट) के नॉर्थ एवेन्यू नाले का ऑन-साइट दौरा किया। गोरेगांव (ईस्ट) में निरीक्षण के दौरान उन्होंने वलभट नदी के गाद निकालने के कार्य की समीक्षा की, जो संजय गांधी नेशनल पार्क से निकलकर विभिन्न क्षेत्रों से होकर बहती है और आगे बिंबिसार नाले में मिलती है।

चोरी-चोरी, चुपके चुपके; अंडमान निकोबार में बीजेपी क्या खेल रही है खेल

राहुल गांधी ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

■ सईद शेख

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने अंडमान-निकोबार के अपने हालिया दौरे के बाद केंद्र सरकार और बड़े कॉरपोरेट प्रोजेक्ट्स पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार, ग्रेट निकोबार द्वीप में बड़े पैमाने पर घने वर्षावनों की कटाई, स्थानीय आबादी के अधिकारों की अनदेखी और जमीन अधिग्रहण को लेकर चिंताजनक हालात हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि वे एक प्रतिनिधिमंडल के आमंत्रण पर द्वीप पहुंचे, लेकिन 'सरकार ने उन्हें वहां जाने से रोकने की कोशिश की।' उनके मुताबिक, मौके पर पहुंचने के बाद जो तस्वीर सामने आई, वह 'चौंकाने वाली' थी। उन्होंने कहा कि लगभग 160 किलोमीटर के दायरे में फैले अत्यंत सघन वर्षावनों में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की जा रही है, जिसकी कीमत 'लाखों-करोड़ों' में आंकी जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह जमीन स्थानीय निवासियों और आदिवासी समुदायों से लेकर बड़े उद्योगपतियों को सौंपी जा रही है। इस संदर्भ में उन्होंने अदानी ग्रुप का नाम लेते हुए कहा कि 'बिना स्थानीय लोगों की सहमति के उनके अधिकार छीने जा रहे हैं।' राहुल गांधी ने विशेष रूप से फॉरेस्ट राइट्स एक्ट 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि न तो पारंपरिक वन अधिकारों को मान्यता दी जा रही है, न ही विस्थापित होने वाले लोगों को पर्याप्त मुआवजा मिल

रहा है। 'सेटलर्स को भी सही कंपनसेशन नहीं दिया जा रहा, और आदिवासी समुदायों के मुआवजे पर तो बात तक शुरू नहीं हुई है,' उन्होंने कहा। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को 'देश की प्राकृतिक विरासत के साथ अन्याय' बताते हुए कहा कि 'जो कुछ भी हो रहा है, उसे छुपाया जा रहा है।' राहुल गांधी ने यह भी कहा कि वे इस मुद्दे को देश के सामने लाएंगे और निकोबार के लोगों के हक की आवाज उठाएंगे। उधर, केंद्र सरकार और संबंधित एजेंसियों की ओर से इन आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है। हालांकि, सरकार पहले भी यह स्पष्ट कर चुकी है कि अंडमान-निकोबार में चल रहे विकास परियोजनाएं राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यापारिक कनेक्टिविटी और रोजगार सृजन को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। गौरतलब है कि ग्रेट निकोबार में प्रस्तावित मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट–जिसमें ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एयरपोर्ट और टाउनशिप शामिल हैं–शुरू से ही पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को लेकर बहस के केंद्र में रहा है। अब राहुल गांधी के दौरे और आरोपों के बाद यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया है।

नासिक कुंभ मेलाः कमिश्नर के फर्जी डिजिटल हस्ताक्षर से बनाया करोड़ों का वर्क ऑर्डर

एक गलती से पकड़ी गई चोरी

नासिक-त्र्यंबकेश्वर में आगामी सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए प्रशासन युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। इसी व्यस्तता का फायदा उठाकर अज्ञात जालसाजों ने सरकार को 35 करोड़ रुपये का चूना लगाने की साजिश रची थी। जालसाजों ने कुंभ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष और नासिक संभागीय आयुक्त डॉ. प्रवीण गेडाम के फर्जी डिजिटल हस्ताक्षरों का

उपयोग करते हुए सीसीटीवी सर्वेक्षण, स्थापना और रखरखाव के लिए एक बड़ा कार्य आदेश तैयार किया। यह आदेश ठाणे स्थित एक निजी एजेंसी के नाम पर बनाया गया था, लेकिन डॉ. गेदम की पैनी नजरों ने इसे समय रहते पकड़ लिया।

यह सनसनीखेज मामला तब सामने आया जब नीलकंठ शेवाले नामक व्यक्ति 28 अप्रैल को संभागीय आयुक्त कार्यालय पहुँचा और दो संदिग्ध पत्रों की सत्यता के बारे में पूछताछ की। उसने बताया कि ये पत्र उसे गजानन पाटिल-चव्हाण नामक व्यक्ति ने दिए थे। कुंभ मेला शाखा के सहायक अनुसंधान अधिकारी योगेश सोमवंशी को पत्रों के हाशिये और सामग्री को देखकर संदेह हुआ और उन्होंने तुरंत इसे आयुक्त डॉ. गेडाम के संज्ञान में लाया।

'Praveen' बनाम 'Pravin': स्पेलिंग ने खोली पोल

जब डॉ. प्रवीण गेडाम ने पत्रों की बारीकी से जांच की, तो उन्हें अपने ही नाम की वर्तनी (Spelling) में अंतर दिखाई दिया। जालसाजों ने उनके नाम को 'Pravin' (प्रविन) लिखा था, जबकि उनके आधिकारिक डिजिटल हस्ताक्षर में स्पेलिंग 'Praveen' (प्रवीण) दर्ज है। इस सूक्ष्म त्रुटि को देखते ही आयुक्त समझ गए कि न केवल हस्ताक्षर फर्जी हैं, बल्कि पूरा कार्य आदेश ही जाली है। इस छोटी सी सजगता ने सरकार के 35 करोड़ रुपये को गलत हाथों में जाने से बचा लिया। इस घटना के बाद नासिक रोड पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने का मामला दर्ज किया गया है।

उद्धव ठाकरे ने अंबादास दानवे पर ही क्यों जताया भरोसा?

महाराष्ट्र की राजनीति में शह-मात का खेल तेज हो गया है। आगामी विधान परिषद चुनाव के लिए शिवसेना (यूबीटी) ने अंबादास दानवे को अपना आधिकारिक उम्मीदवार बनाया है। इस घोषणा ने न केवल राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया है कि उद्धव ठाकरे आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए बेहद सधी हुई बिसात बिछा रहे हैं। अंबादास दानवे के उम्मीदवारी घोषित होने के बाद महाविकास आघाड़ी में विरोध के स्वर उठे थे। कांग्रेस ने दानवे की उम्मीदवारी को लेकर सवाल खड़े किए। हालांकि गुरुवार को MVA की बैठक के बाद मामला सुलझ गया। उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को फोन करके अपनी बात रखी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने मध्यस्थता कराकर मामला को शांत कराया।

अब लोगों में मन में सवाल पैदा हो रहा है कि जब शिवसेना (यूबीटी) के खाते में एक ही सीट आनी है, तो खुद उद्धव ठाकरे या फायरब्रांड नेता सुषमा अंधारे को दरकिनार कर अंबादास दानवे पर भरोसा क्यों जताया गया। आइए जानते हैं इसके पीछे की पांच बड़ी वजहें।

आक्रामक विपक्ष की भूमिका

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के रूप में अंबादास दानवे ने सरकार को कई बार घेरा है। उनके पास विधायी कार्यों का गहरा अनुभव है और वे सदन में अपनी बात मजबूती से रखने के लिए जाने जाते हैं। पार्टी को एक ऐसे चेहरे की जरूरत थी जो सीधे सत्ता पक्ष से टकरा सके।

जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण

छत्रपति संभाजीनगर और आसपास के जिलों में दानवे का दबदबा है। मराठा आरक्षण आंदोलन और क्षेत्र की समस्याओं पर उनकी पकड़ को देखते हुए, ठाकरे गुट उन्हें एक बड़े चेहरे के रूप में पेश कर रहा है ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में इसका लाभ मिल सके।

पार्टी संगठन के विस्तार पर जोर

पहले ऐसी अटकलें थीं कि उद्धव ठाकरे खुद यह चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, उद्धव गुट ने अब पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद में विपक्ष के पूर्व नेता अंबादास दानवे का नाम आगे बढ़ाकर संगठन पर ध्यान केंद्रित करने का संकेत दिया है। इससे पार्टी कैडर में यह संदेश जाएगा कि उद्धव ठाकरे खुद की बयाज आम कार्यकर्ता को महत्व दे रहे हैं।

क्या महायुति का था डर?

राजनीतिक पंडित यह भी कयास लगा रहे हैं कि अंबादास दानवे को MLC प्रत्याशी बनाने के पीछे एक डर काम कर गया हो। जैसे एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पार्टी में टूट हुई क्या ऐसा ही कुछ अंबादास दानवे करने की फिराक में थे। किसानों के मुद्दे को लेकर चर्चा में आए बच्चू कडू को एकनाथ शिंदे ने अपने पाले में करके इसके संकेत दिए हैं।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

महाराष्ट्र दिवस और कामगार दिवस–गौरव, संघर्ष और जिम्मेदारी का संगम

हर साल १ मई का दिन हमें दो महत्वपूर्ण संदेश देता है–एक, अपनी पहचान और सांस्कृतिक अस्मिता पर गर्व करने का, और दूसरा, उस मेहनतकश वर्ग के संघर्ष को याद करने का, जिसने समाज और अर्थव्यवस्था की नींव को मजबूत किया। महाराष्ट्र दिवस और कामगार दिवस का यह संगम केवल एक तारीख का संयोग नहीं, बल्कि विकास और श्रम के गहरे रिश्ते का प्रतीक है।

महाराष्ट्र दिवस हमें १९६० में राज्य के गठन की याद दिलाता है, जब भाषाई आधार पर महाराष्ट्र एक अलग राज्य बना। तब से लेकर आज तक, महाराष्ट्र ने औद्योगिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में देश को नई दिशा दी है। मुंबई जैसे महानगर ने न केवल देश की अर्थव्यवस्था को गति दी, बल्कि लाखों लोगों को रोजगार के अवसर भी प्रदान किए। लेकिन इस विकास के पीछे असली ताकत उन कामगारों की है, जिनकी मेहनत अक्सर अनदेखी रह जाती है। यहीं से कामगार दिवस का महत्व और बढ़ जाता है। यह दिन उन मजदूरों के अधिकारों और संघर्षों की याद दिलाता है, जिन्होंने बेहतर कामकाजी परिस्थितियों और सम्मानजनक जीवन के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। आज भी कई श्रमिक ऐसे हैं, जो असुरक्षित परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को अब भी न्यूनतम वेतन, स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं पूरी तरह नहीं मिल पातीं।

महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य में यह सवाल और भी अहम हो जाता है कि क्या विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक समान रूप से पहुंच रहा है? क्या हम उन लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, जिनके श्रम से शहरों की चकाचौंध कायम है?

आज जरूरत है कि सरकार, उद्योग और समाज मिलकर श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करें। उन्हें बेहतर वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। साथ ही, हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूटे।

अंततः, १ मई हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि असली प्रगति वही है, जिसमें हर हाथ को काम और हर व्यक्ति को सम्मान मिले। महाराष्ट्र दिवस और कामगार दिवस का यह संदेश हमें एक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

हज २०२६: अतिरिक्त शुल्क और नियम बदलावों के खिलाफ हाजियों की सामूहिक आवाज

अहमदाबाद। हज २०२६ की तैयारियों के बीच चयनित तीर्थयात्रियों में असंतोष उभरकर सामने आया है। गुजरात राज्य हज समिति को भेजी गई एक सामूहिक याचिका में हाजियों ने अतिरिक्त आर्थिक बोझ और हाल ही में किए गए नियमों में बदलाव को अन्यायपूर्ण बताते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि हज यात्रा, जो एक पवित्र इबादत मानी जाती है, उसे प्रशासनिक निर्णयों के कारण अनावश्यक रूप से महंगा और जटिल बनाया जा रहा है। तीर्थयात्रियों के अनुसार, पहले ४० किलोग्राम सामान ले जाने की अनुमति थी, जिसे अचानक घटाकर ३५ किलोग्राम कर दिया गया। इस बदलाव को बिना पूर्व सूचना के लागू करना हाजियों के साथ अन्याय बताया गया है। इसके अलावा, ज़मज़म पानी को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। याचिका में उल्लेख किया गया है कि जहां इसे मुफ्त देने का दावा किया गया था, वहीं अब प्रत्येक तीर्थयात्री से इसके लिए अलग से शुल्क वसूला जा रहा है। हाजियों का कहना है कि यह पारदर्शिता के अभाव को दर्शाता है। सबसे बड़ा मुद्दा अतिरिक्त १०,००० रुपये हवाई किराए के रूप में वसूले जाने का है। हाजियों ने तर्क दिया कि जब निविदा प्रक्रिया,

किराया और अन्य शर्तें पहले ही तय हो चुकी थीं और पूरी राशि जमा कराई जा चुकी थी, तो बाद में अतिरिक्त शुल्क लेना पूरी तरह अनुचित है। याचिका में यह भी कहा गया है कि यदि ईंधन कीमतों या डॉलर विनिमय दर में बदलाव होता है, तो उसका पूरा भार तीर्थयात्रियों पर डालना न्यायसंगत नहीं है। हाजियों ने अपनी मांगों में १०,००० रुपये की अतिरिक्त वसूली को तुरंत वापस लेने, सामान सीमा को पुनः ४० किलोग्राम करने और ज़मज़म पानी पर लगाए गए शुल्क को समाप्त करने की मांग की है। साथ ही, भविष्य में सभी निर्णय पारदर्शी और तीर्थयात्रियों के हितों को ध्यान में रखते हुए लेने की अपील की गई है। याचिका में चेतावनी दी गई है कि यदि इन मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो हाजी अपने कानूनी और संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करते हुए आगे की कार्रवाई करेंगे। यह सामूहिक याचिका एडवोकेट शमशाद खान और एडवोकेट इम्तियाज़ खान के नेतृत्व में तैयार की गई है, जिसमें सभी हाजियों की ओर से इसे मुंबई स्थित हज कमेटी को भी भेजने की मांग की गई है।

मुंबई के बाद ठाणे में डबल डेकर बस सेवा, दिवाली तक ३०० नई बसें जोड़ने की योजना

ठाणे शहर के लोगों के लिए अच्छी खबर है। जल्द ही मुंबई की तरह ठाणे की सड़कों पर डबल डेकर बसें दौड़ती दिखेंगी।

ठाणे महानगरपालिका का बजट पेश करते समय मनपा आयुक्त सौरभ राव ने ठाणे महानगरपालिका

परिवहन सेवा (टीएमटी) के बड़े में १० डबल डेकर बसों के शामिल करने की घोषणा की थी।

प्रशासन की मानें तो पहली डबल डेकर बस बेड़े में शामिल होने के लिए तैयार है। हालांकि उसे यात्रियों की सेवा में उपलब्ध कराने के लिए एक पखवाड़े से अधिक का समय लग सकता है। ठाणे शहर की आबादी २७ लाख से ज्यादा हो गई है।

ठाणे मनपा परिवहन सेवा के बेड़े में ४०७ बसें होगी शामिल

ठाणे मनपा परिवहन सेवा के बेड़े में कुल ४०७ बसें हैं। जिसमें से ३८१ बसें यात्रियों को सेवा दे रही हैं। हालांकि यात्रियों की संख्या के मुकाबले इन बसों की संख्या अपर्याप्त है। इसके चलते प्रशासन परिवहन बेड़े में बसों की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ़ रोड ट्रांसपोर्ट (सीआईआरटी) की गाइडलाइंस के मुताबिक, हर १ लाख की आबादी पर ५० बसें होनी चाहिए, ठाणे शहर की आबादी को देखते हुए टीएमटी को १३५० बसों की जरूरत है। मनपा बजट भाषण के दौरान मनपा आयुक्त सौरभ राव ने घोषणा की थी कि वित्तीय वर्ष में ३०० नई बसों को टीएमटी के बड़े में शामिल किया जाएगा।

जिसमें पीएम ई-बस योजना के तहत १०० वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें, १५वें वित्त आयोग की सिफारिश के तहत १६० वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें, १०० सीएनजी और १० डबल डेकर बसें शामिल हैं। इससे ठाणे महानगरपालिका के परिवहन सेवा के बेड़े में बसों की संख्या बढ़ कर ७०७ हो जाएगी।

१०० वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों को मिली मंजूरी

बताया गया कि ठाणे मनपा परिवहन सेवा को पीएम ई- बस योजना के तहत १०० वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों के लिए मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा मनपा जीसीसी बेसिस पर १०० सीएनजी बसें खरीदेगी। ये बसें दिवाली तक अलग-अलग फेज में टीएमटी के बेड़े में शामिल हो जाएंगी। इसके अलावा, मनपा दस डबल डेकर बस खरीद रही है। जिनमें से पहली बस अगले दो दिनों में टीएमटी को मिल जाएगी। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के साथ रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा करने के बाद यह दस से पंद्रह दिनों में डबल डेकर बस यात्रियों की सेवा के लिए उपलब्ध हो जाएगी। डबल डेकर बस किस रूट पर चलाई जाएगी, यह तय नहीं हुआ है, लेकिन अनुमान है कि इसे घोडबंदर से ठाणे रूट पर चलाया जाएगा।

कुत्ते के साथ गंदा काम करने पर कानून ने लगाया सिर्फ ५० रुपये का जुर्माना, PETA समेत पशुप्रेमी भी भड़के

मुंबईः मलाड वेस्ट में शर्मसार करने वाला मामला सामना आया है। यहां एक वेटेरिनरी क्लिनिक के बाहर फुटपाथ पर कुत्ते के साथ यौन शोषण करते हुए ४५ वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। यह घटना २६ अप्रैल की रात करीब ११:३० बजे की है। यह मामला तब सामने आया जब स्थानीय निवासी रुक्साना शेख ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया और तुरंत शोर मचाया। पीड़ित कुत्ता 'शैडो' पास के एक डेयरी मालिक का बताया गया जो दर्द से कराह रहा था। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस की मालवानी यूनिट मौके पर पहुंची और आरोपी नरेश चंदुलकर को हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ प्रीवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स एक्ट १९६० के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके तहत दोषी को सिर्फ ५० रुपये जुर्माना भरने की सजा मिलती है।

लगातार बढ़ रहे मामले

PETA इंडिया के अनुसार, पशुआ के साथ क्रूरता के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई २०२४ से अब तक जानवरों के यौन शोषण के ४० से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। हाल के महीनों में कांदिवली ईस्ट और कुरार गांव में भी इसी तरह की घटनाएं दर्ज की गई हैं। देश के अन्य शहरों जैसे हैदराबाद, कोलकाता और भुवनेश्वर से भी ऐसे मामले सामने आए हैं।

क्या कहता है कानून

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस तरह के अपराध पैराफिलिक क्रॉसओवर से जुड़े होते हैं। इसमें अपराधी अक्सर अन्य गंभीर यौन अपराधों में भी लिप्त पाए जाते हैं। शोध बताते हैं कि जानवरों के साथ दुर्व्यवहार और बच्चों के यौन शोषण के बीच संबंध भी देखा गया है। कानूनी स्तर पर स्थिति चिंताजनक है। पहले भारतीय दंड संहिता की धारा ३७७ के तहत ऐसे मामलों में कड़ी सजा का प्रावधान था। इसमें उम्रकैद या १० साल तक की जेल की सज़ा थी। लेकिन जब १ जुलाई, २०२४ को भारतीय न्याय संहिता (BNS) ने IPC की जगह ली तो सेक्शन ३७७ को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया। वर्तमान में पुलिस के पास सीमित कानूनी विकल्प हैं, जिससे सख्त कार्रवाई में बाधा आती है।

सख्त कानून बनाने की मांग

इस बीच फेडरेशन ऑफ इंडियन एनिमल प्रोटेक्शन ऑर्गनाइजेशन्स ने अदालतों में याचिकाएं दाखिल कर सख्त कानून की मांग की है। प्रस्तावित संशोधन में ऐसे अपराधों के लिए १० साल तक की सजा या उम्रकैद का प्रावधान शामिल है। फिलहाल, इस गंभीर समस्या पर ठोस कानूनी कार्रवाई का इंतजार है।

JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Non Goverment Organization
Reg. No. F-75914

NITI AYOG 12A,80G & CSR Registered

DONATE FOR POOR AND UNDERPRIVILEGED

Contact us 9930026943

SBI BANK
JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Account No:.39171751769
IFS Code : SBIN0012959

www.jansevasocialfoundation.com

701/ C Wing crystal Plaza opposite infinity mall Andheri West

• DESIGNER FURNITURE SETS
• BWR PLYWOOD FURNITURE
• WARDROBES
• TV UNIT
• COFFEE TABLE
• BED
• STORAGE
• SHOE UNIT

The RISA Co

VISIT OUR WEBSITE
www.therisaco.com
+91 9892528992

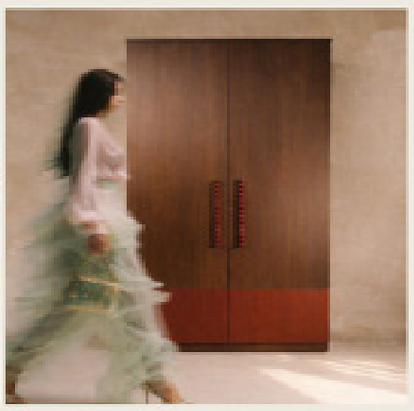

अप्रैल का महीना बहुत तेजी से बीत गयाः हुमा कुरैशी

अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने बीते महीने की एक दिलकश झलक साझा की है। अभिनेत्री ने अप्रैल महीने के बचे हुए सामान को शेयर करते हुए स्वीकार किया कि उन्हें लगता है कि अप्रैल का महीना बहुत तेजी से बीत गया। अभिनेत्री हुमा ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, यह महीनाष्ठ बहुत तेजी से बीत रहा हैष्ठ अप्रैल अभी खत्म भी नहीं हुआ है। यह टिप्पणी समय के तेजी से बीतने की उस सामान्य भावना को दर्शाती है, जिसे हम सभी अनुभव करते हैं। उनकी साझा की गई तस्वीरों और वीडियो के एल्बम में उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के विविध क्षणों को खूबसूरती से कैद किया गया है। एल्बम की पहली तस्वीर में हुमा अपने बिस्तर पर आराम करती हुई नजर आईं, जो उनके निजी और शांत पलों को दर्शाती है। इसके बाद गैंग्स ऑफ वासेपुर की अभिनेत्री की एक और शानदार तस्वीर थी, जिसमें वह मिरर सेल्फी में बेहद आकर्षक लग रही थीं, जो उनके ग्लैमरस पक्ष को उजागर करती है। कैफे में आराम करने से लेकर सड़क पर खुशी-खुशी अपनी कॉफी का आनंद लेने तक और खरीदारी के उत्साह में डूबे रहने तक, अप्रैल का महीना हुमा के लिए गतिविधियों और आनंद से भरा हुआ था। इन तस्वीरों में उनके जीवन की छोटी-छोटी खुशियों और व्यस्तताओं की झलक साफ दिखाई देती है। इस पोस्ट में हुमा द्वारा पसंद किए गए सभी स्वादिष्ट व्यंजनों की झलक भी मिलती है, जिनमें एक संतुलित देसी थाली से लेकर वड़ा पाव और बर्गर जैसे लोकप्रिय फास्ट फूड शामिल हैं। यह उनके भोजन के प्रति प्रेम और विभिन्न व्यंजनों का आनंद लेने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। जॉली एलएलबी 2 की अभिनेत्री ने अपने प्यारे पालतू जानवर की कुछ मनमोहक तस्वीरें भी साझा कीं, जो उनके पालतू जानवर के साथ उनके स्नेहपूर्ण रिश्ते को दर्शाती हैं। काम की बात करें तो, हुमा कुरैशी यश अभिनीत फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह एलिजाबेथ की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इससे पहले, फिल्म निर्माता गीतु मोहनदास ने हुमा के चयन पर प्रकाश डालते हुए खुलासा किया था कि एलिजाबेथ की भूमिका निभाने के लिए एक उच्च क्षमता और करिश्माई स्क्रीन प्रेजेंस वाले अभिनेता की आवश्यकता थी,

वैभव के पास दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ मुकाबले में पोलार्ड का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

राजस्थान रायल्स की टीम अब एक मई शुक्रवार को दिल्ली कैपल्स से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलेगी। इस मैच में सभी की नजरें राजस्थान के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव इस मैच में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल एक छक्के की जरुरत है।

अगर वैभव इसमें सफल रहे तो वह किरोन पोलार्ड का सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ देंगे। पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में वैभव ने पांच छक्के लगाये थे। इन पांच छक्कों के साथ ही उनके अब टी20 की 27 पारियों में कुल 99 छक्के हो गए हैं। टी20 में सबसे तेज 100 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड अभी पोलार्ड के नाम है। उन्होंने 843 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूर्यवंशी ने अब तक 511 गेंदें ही खेली हैं। ऐसे में उनका नंबर एक पर आना तय है।

वैभव ने आईपीएल सत्र की शुरुआत साल 2025 में की थी। तब वह केवल 14 साल की उम्र में खेलने उतरे थे। इस प्रकार वह सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। वहीं इस सत्र में उन्होंने जसप्रीत बुमरार और पैट कमिंस जैसे गेंददाजों पर भी छक्के लगाये हैं। इसके अलावा जोश हेजलवुड, अर्शदीप सिंह सहित कई गेंदबाज भी वैभव से बच नहीं पाये हैं। वैभव ने इस सत्र में साकिब हुसैन की गेंद पर छक्का लगाकर सिर्फ 36 गेंद में अपना शतक पूरा किया था।

ये लीग का तीसरा सबसे तेज शतक रहा है। उन्होंने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगा दिया था। वहीं क्रिस गेल के नाम आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने 30 गेंद में 100 रन बनाए थे। वैभव टी20 में सबसे कम उम्र में 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं।

संघर्ष की मिट्टी से निकला अफसर

मनोहरसिंह जडेजा की सख्त पुलिसिंग और प्रेरक सफर

पहले एलआईसी में किया काम फिर पढ़ाई करके बने आईपीएस

फारूक पाखरी

मनोहरसिंह जडेजा आज गिर सोमनाथ जिला के पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में अपनी सख्त कार्यशैली और प्रभावी पुलिसिंग के लिए पहचाने जाते हैं, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर साधारण नहीं रहा। जामनगर जिले के एक छोटे से गांव से निकलकर भारतीय पुलिस सेवा तक पहुंचने की उनकी कहानी संघर्ष, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण का उदाहरण है। साधारण परिवार में जन्मे जडेजा का बचपन सीमित संसाधनों में बीता, लेकिन उन्होंने शुरू से ही शिक्षा को अपनी ताकत बनाया। परिवार से मिले अनुशासन और मेहनत के संस्कार ने उनके व्यक्तित्व को मजबूती दी और सरकारी सेवा में जाने का सपना उनके भीतर लगातार आकार लेता रहा। उन्होंने रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई पूरी की और छात्र जीवन से ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। आर्थिक जिम्मेदारियों के बीच पढ़ाई जारी रखना उनके संघर्ष का अहम हिस्सा रहा। करियर की शुरुआत उन्होंने लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में डेवलपमेंट ऑफिसर के रूप में की, लेकिन उनका लक्ष्य इससे कहीं बड़ा था। नौकरी के साथ तैयारी जारी रखते हुए उन्होंने अंततः भारतीय पुलिस सेवा में जगह बनाई और वर्ष 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी बने। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने विभिन्न जिलों में एएसपी और डीएसपी के रूप में कार्य करते हुए जमीनी पुलिसिंग का व्यापक अनुभव हासिल किया। राजकोट शहर में डीसीपी के रूप में उनकी

भूमिका ने उन्हें एक सख्त और परिणाम देने वाले अधिकारी के रूप में स्थापित किया। शहरी कानून-व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण और अपराध रोकने में उनके काम को विशेष रूप से सराहा गया।

इसके बाद अरावली जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में उन्होंने अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई कर ग्रामीण पुलिसिंग को मजबूत किया। वर्तमान में गिर सोमनाथ जिले की कमान संभालते हुए जडेजा के सामने विशेष चुनौतियां हैं। सोमनाथ मंदिर जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल के कारण यहां सालभर लाखों श्रद्धालुओं का आगमन होता है, ऐसे में सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और।कानून-व्यवस्था बनाए रखना बड़ी जिम्मेदारी है। उनके नेतृत्व में जिले में आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है, जिसमें सीसीटीवी, ड्रोन और बॉडी कैमरा शामिल हैं। त्योहारों और बड़े आयोजनों के दौरान हाई-टेक निगरानी के जरिए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। मनोहरसिंह जडेजा की कार्यशैली में एक तरफ सख्ती है तो दूसरी ओर आम जनता के प्रति संवेदनशीलता भी स्पष्ट दिखाई देती है। वे फील्ड में सक्रिय रहकर नेतृत्व करने में विश्वास रखते हैं और उनका स्पष्ट लक्ष्य है–अपराधियों में डर और आम लोगों में भरोसा कायम करना। गांव से निकलकर आईपीएस बनने और अब एक महत्वपूर्ण जिले की सुरक्षा संभालने तक की उनकी यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि कठिन परिस्थितियां चाहे जितनी भी हों, अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर हो, तो सफलता हासिल करना संभव है।

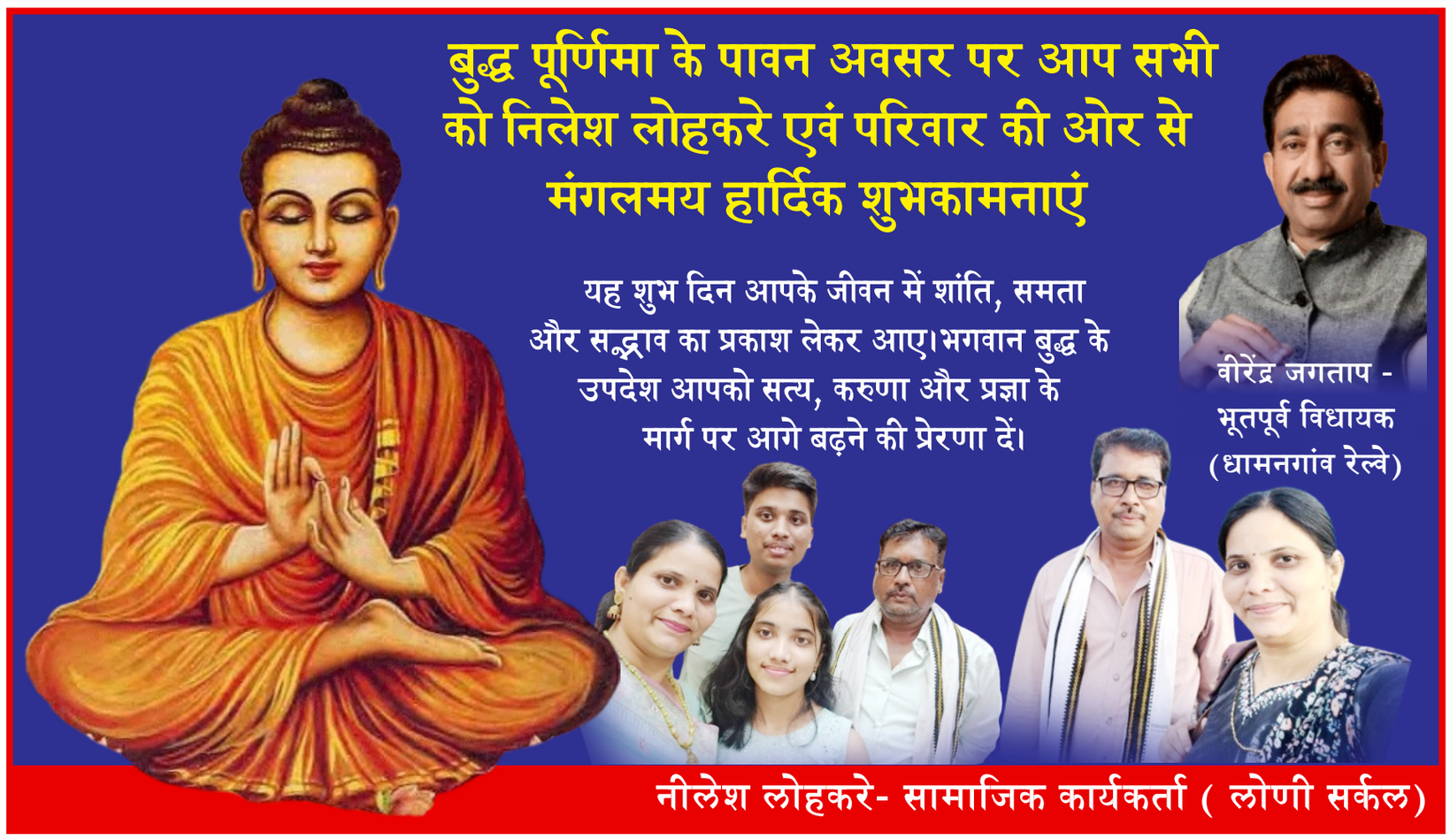

बृहन्मुंबई नगर निगम ने सुरंग के काम के लिए पूरे मुंबई में 30 घंटे पानी की सप्लाई बंद करने की घोषणा की

इस्माईल खान

मुंबई : बृहन्मुंबई नगर निगम ने अपने जल आपूर्ति प्रोजेक्ट के तहत ज़रूरी पानी की सुरंग को जोड़ने और उससे जुड़े रखरखाव के कामों को आसान बनाने के लिए, 5 मई से 6 मई, 2026 के बीच शहर के कई हिस्सों में 30 घंटे तक पानी की आपूर्ति बंद रखने की योजना की घोषणा की है। नगर निगम

की सार्वजनिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस काम में अमर महल (हेडगेवार उद्यान) से वडाला (प्रतीक्षा नगर), परेल (AMT-1), ट्रॉम्बे जलाशय (AMT-2), और तुर्भे हाई लेवल जलाशय तक पानी की सुरंग को चालू करना शामिल है। इस प्रोजेक्ट के हिस्से के तौर पर, तुर्भे हाई लेवल जलाशय को पानी पहुँचाने वाली 1800 mm व्यास वाली पानी की नहर को एक और 1800 mm वाली लाइन से जोड़ा जाएगा, साथ ही कुछ और भी काम किए जाएँगे। बृहन्मुंबई नगर निगम ने बताया कि रखरखाव के इस समय के दौरान 1800 mm वाली तुर्भे हाई लेवल नहर और 1200 mm वाली तुर्भे लो लेवल नहर बंद रहेंगी। यह बंदी मंगलवार, 5 मई, 2026 को सुबह 10 बजे से बुधवार, 6 मई, 2026 को शाम 4 बजे तक, कुल 30 घंटों के लिए लागू रहेगी। इस दौरान, कुछ इलाकों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी, जबकि कई इलाकों में कम दबाव से पानी आएगा। नगर निगम ने कहा, 'संबंधित विभागों के नागरिकों को पहले से ही ज़रूरत के हिसाब से पानी जमा करके रख लेना चाहिए। बंदी के इस समय के दौरान पानी का इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर करना चाहिए।'जिन इलाकों पर इसका असर पड़ेगा, वे हैं F नॉर्थ डिवीज़नः प्रतीक्षा नगर, शास्त्री नगर, संजय गांधी नगर, शांति नगर, H. M. मार्ग, K. D. गायकवाड़ नगर, वडाला ट्रक टर्मिनस, न्यू कॉफ़ परेड, अल्मेडा कॉम्प्लेक्स (6 मई को पानी बंद रहेगा)। शिव (पूर्व) और शिव (पश्चिम) में कम दबाव से पानी आएगा।

F साउथ डिवीज़न, L डिवीज़न और M ईस्ट डिवीज़न पर 6 मई को असर पड़ेगा। M वेस्ट डिवीज़न, N डिवीज़न और आस-पास के इलाकों में 5 मई को पानी बंद रहेगा और 6 मई को कम दबाव से पानी आएगा। बृहन्मुंबई नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे पहले से ही ज़रूरत के हिसाब से पानी जमा करके रख लें और बंदी के इस समय के दौरान पानी का इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर करें।

बडनेरा के पंचशील नगर में बुद्ध जयंती पर भव्य धम्म रैली

अमरावती। बडनेरा के पंचशील नगर स्थित बुद्ध विहार की ओर से बुद्ध जयंती के अवसर पर 1 मई 2026, शुक्रवार को शाम 7 बजे भव्य धम्म रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में नागरिकों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। रैली

की शुरुआत पंचशील नगर बुद्ध विहार से होगी और यह शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। तय मार्ग के अनुसार रैली शिवाजी महाराज प्रतिमा, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर प्रतिमा (अशोक नगर), डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर प्रतिमा (समता चौक) और जय हिंद चौक तक पहुंचेगी, जहां विभिन्न स्थानों पर अभिवादन के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। रैली के दौरान पंचशील ध्वज, बौद्ध धम्म के संदेश और सामाजिक जागरूकता से जुड़े बैनर के माध्यम से समता, भाईचारे और शांति का संदेश दिया जाएगा। खास बात यह है कि इसमें युवा, महिलाएं और बच्चों की बड़ी भागीदारी रहने की उम्मीद है। आयोजकों ने सभी से पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होने की अपील की है। आयोजन समिति के अनुसार, यह धम्म रैली केवल एक उत्सव नहीं बल्कि समाज में एकता, समानता और बौद्ध विचारों को मजबूत करने का प्रयास है। लोगों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। बुद्ध जयंती के मौके पर पंचशील नगर क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है।

आपसी विवाद में कत्ल कर फेंक दी थी लाश... नवी मुंबई हत्याकांड में सामने आई कहानी

नवी मुंबई : बीते दिनों एक शव मिला था. इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी. शुरू में शव की शिनाख्त नहीं हो पाई तो ये मामला पुलिस के लिए चैलेंजिंग हो गया था. हालांकि पुलिस ने कड़ी से कड़ी मिलाते हुए तफ्तीश की और दो आरोपियों को पकड़ लिया. पुलिस ने जब आरोपियों से पूछताछ की तो पूरी कहानी सामने आ गई.

दरअसल, यह मामला सीबीडी बेलापुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र का है. जहां कुछ समय पहले एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था. शुरुआत में मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी. इसके बाद सीबीडी बेलापुर पुलिस थाने में हत्या का केस दर्ज किया गया था. मृतक की शिनाख्त न हो पाने की वजह से पुलिस के सामने बड़ी चुनौती थी.

हालांकि, पुलिस ने तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की मदद से मामले की पड़ताल की. इस दौरान पुलिस को कुछ सुराग मिले, जिनके आधार पर दो संदिग्धों को पकड़ा गया. पूछताछ में दोनों ने हत्या में अपनी संलिप्तता की बात मान ली. इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों में 29 वर्षीय सुमाग छन्नूलाल धुर्वे निवासी है, जो मूल रूप से अमरावती का रहने वाला है. वहीं दूसरा आरोपी 35 वर्षीय अरविंद बोला कटकम उर्फ राजा निवासी पुणे है. पुलिस का कहना है कि हत्या आपसी विवाद के चलते की गई थी. घटना के बाद आरोपी अलग-अलग स्थानों पर छिपकर रह रहे थे, लेकिन पुलिस ने जांच में पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया. इस पूरे मामले की जांच जारी है और पुलिस अन्य संभावित पहलुओं को भी खंगाल रही है. नवी मुंबई पुलिस ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि क्राइम पर प्रभावी तरीके से कंट्रोल किया जा सके.

'विलय नहीं' से सीधा सत्ता में विलय! कडू की 'घरवापसी' या सियासी सौदा?

बयान बदला, रास्ता बदला–कुर्सी के आगे फिर सियासत में पलटी का नया उदाहरण

सुनिल इंगोले

अमरावती – महाराष्ट्र की राजनीति में 'बातों' और

'हकीकत' के बीच की दूरी एक बार फिर उजागर हो गई है। कल तक 'प्रहार का विलय नहीं होगा' का दम भरने वाले बच्चू कडू ने आखिरकार उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना (शिंदे गुट) का दामन थाम लिया। इसे 'घरवापसी' कहा जा रहा है, लेकिन सवाल यह है–क्या यह सच में वापसी है, या सीधे सत्ता के दरबार में हाजिरी? हजारों कार्यकर्ताओं की भीड़, मंच पर मुस्कान और भाषणों में भावनाएं–सब कुछ तय स्क्रिप्ट जैसा लगा। कभी 'स्वाभिमान' की राजनीति का दावा करने वाले कडू अब उसी राजनीति के मोड़ पर खड़े दिखे, जहां सिद्धांत अक्सर कुर्सी के आगे झुक जाते हैं। यही वह मोड़ है जहां सियासत 'संघर्ष' से निकलकर 'समझौते' की भाषा बोलने लगती है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा गर्म है कि इस 'घरवापसी' की पटकथा पहले ही लिखी जा चुकी थी–इनाम में विधान परिषद की सीट और आगे मंत्री पद की संभावना। यानी सवाल अब सीधा है–क्या यह विचारधारा का निर्णय था, या 'सेटिंग' का सटीक परिणाम? और अगर यह महज संयोग है, तो फिर यह संयोग इतना सटीक कैसे बैठ गया?

यह भी दिलचस्प है कि जिस विलय को कल तक नकारा जा रहा था, आज वही 'रणनीति' बन गया। ऐसे में विरोधियों का तंज भी तेज है–'सत्ता के लिए कुछ भी चलेगा!' और अब यह तंज सिर्फ आरोप नहीं, बल्कि हालात का आईना बनता दिख रहा है। इस पूरे घटनाक्रम से एक बात फिर साफ हो गई है–महाराष्ट्र की राजनीति में अब 'कौन क्या कहता है' से ज्यादा मायने रखता है 'कौन कब पलटता है।' बयान और फैसलों के बीच की दूरी जितनी कम दिखती है, असल में उतनी ही लंबी हो चुकी है। दूसरी तरफ, एकनाथ शिंदे के गुट को विदर्भ में एक आक्रामक चेहरा जरूर मिल गया है, लेकिन इसकी कीमत क्या रही, यह सवाल अभी भी हवा में तैर रहा है। आने वाले समय में यही चेहरा ताकत बनेगा या बोझ, यह भी देखने वाली बात होगी। आखिर में, जनता के मन में वही पुराना सवाल फिर खड़ा हो गया है–क्या राजनीति अब सिर्फ अवसर का खेल बन चुकी है, जहां विचार नहीं, बल्कि सत्ता ही अंतिम सच है? और फिलहाल के हालात देखकर जवाब भी कहीं न कहीं उसी दिशा में इशारा करता नजर आ रहा है।

पुणे में संगठनात्मक सर्जिकल स्ट्राइक

वसंत मोरे शहर अध्यक्ष, चेतन पवार को पिंपरी-चिंचवड की कमान

मुन्ना मुजावर

पुणे, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) समूह ने पुणे और पिंपरी-चिंचवड में बड़े संगठनात्मक बदलाव किए हैं। वसंत मोरे को पुणे नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि पिंपरी-चिंचवड नगर अध्यक्ष का पद चेतन पवार को सौंपा गया है। ये नियुक्तियां पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के निर्देशों के अनुसार की गई हैं।

: पुणे नगर निगम चुनावों में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद शिवसेना (उबाथा) ने पहले पुणे की पूरी कार्यकारी समिति को भंग करने का निर्णय लिया था। पार्टी को पुनः मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारी के लिए ये बदलाव आवश्यक समझे गए थे।

हाल ही में हुए पुणे नगर निगम चुनावों में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट को करारी हार का सामना करना पड़ा। पार्टी ने एमएनएस और कांग्रेस के साथ गठबंधन में 65 से 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे केवल एक सीट ही मिल सकी। वसंत मोरे समेत कई दिग्गज उम्मीदवार इस हार से स्तब्ध रह गए।

इस नतीजे के बाद पार्टी में संकट की स्थिति पैदा हो गई। पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को फिर से मजबूत करने के लिए पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 'परिस्थिति को पलटने' का फैसला किया। बुधवार को सांसद संजय राउत पुणे पहुंचे और स्थानीय नेताओं से बातचीत की, जिसके बाद गुरुवार को वसंत मोरे के नाम की आधिकारिक घोषणा की गई।

वसंत मोरे ने 2024 में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) छोड़ दी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना में शामिल हो गए। उन्हें पुणे के स्थानीय मुद्दों की जानकारी रखने वाले एक आक्रामक चेहरे के रूप में देखा जाता है। उनकी नियुक्ति से पार्टी को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

नगर अध्यक्ष चुने जाने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए मोरे ने कहा, 'पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उसे पूरी तरह से सही साबित करूंगा। मैं पुणे में शिवसेना को फिर से जड़ से खड़ा करूंगा और आने वाले दिनों में नगर निगम में भगवा झंडा फहराऊंगा।'

नगर अध्यक्ष ही नहीं, वार्ड और मंडल स्तर पर भी कई नए चेहरों को अवसर दिए गए हैं। अनुभवी और पुराने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शक भूमिकाओं में रखते हुए, संगठन में युवा प्रतिभाओं को जगह दी गई है। इन बदलावों के कारण पुणे का राजनीतिक माहौल गरमा गया है और सबका ध्यान इस बात पर केंद्रित हो गया है कि वसंत मोरे के नेतृत्व में शिवसेना (उबाथा) पुणे में किस प्रकार उभर रही है।

ड्रग्स के खिलाफ बड़ा वार:

'ड्रग मुक्त प्रभाग अभियान' की शुरुआत, पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने दिखाई सख्ती

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और पुणे पुलिस ने नशे की लत को रोकने और युवाओं को जागरूक करने के लिए 'ड्रग फ्री वार्ड - ड्रग फ्री पुणे' नाम का कैंपेन शुरू किया है। इस कैंपेन को बुधवार को पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने लॉन्च किया।

इस मौके पर पद्मावती के लोकशाहीर अन्ना भाऊ साठे हॉल में एक प्रोग्राम रखा गया। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार, जॉइंट पुलिस कमिश्नर रंजन कुमार शर्मा, एडिशनल पुलिस कमिश्नर पंकज देशमुख, राजेश बंसोड़े, मनोज पाटिल, डिप्टी कमिश्नर मिलिंद मोहिते, स्टैंडिंग कमिटी चेयरमैन श्रीनाथ भीमाले मौजूद थे।

इस मौके पर पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा, 'पुलिस ड्रग स्मगलरों के खिलाफ सख्त एक्शन ले रही है। सिर्फ केस दर्ज करने से ड्रग स्मगलिंग की समस्या हल नहीं होगी। जांच टीमों को ड्रग स्मगलिंग की जड़ तक जाने का ऑर्डर दिया गया है। ड्रग सप्लायर को गिरफ्तार करने के साफ ऑर्डर दिए गए हैं। ड्रग यूजर्स के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।'

'शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने लोगों से बातचीत शुरू कर दी है। लोगों को ड्रग्स बेचने वालों और तस्करों के बारे में जानकारी देनी चाहिए। पुलिस तुरंत कार्रवाई करेगी। शिकायत करने वाले का नाम भी गुप्त रखा जाएगा,' उन्होंने कहा। श्रीनाथ भीमाले ने इस मौके पर अपने विचार रखे। उन्होंने इस अभियान में अपना सहयोग देने का भरोसा दिलाया। भीमाले ने अपील की, 'म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सभी पार्षद, कार्यकर्ता और लोग अपने मोबाइल में 'ड्रग फ्री पुणे' ऐप शामिल करें। लोग इस ऐप के ज़रिए तुरंत शिकायत दर्ज करें।' डिप्टी कमिश्नर मोहिते ने प्रस्तावना पेश की।

पुणे में दोस्त बने दुश्मनः फुरसुंगी में गुंडे का कत्ल, चार आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

मुन्ना मुजावर

पुणेः हडपसर के फुरसुंगी इलाके में मंगलवार रात को परेशान करने पर क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले एक दोस्त की चार लोगों ने धारदार हथियारों से हत्या कर दी। फुरसुंगी पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

मारे गए गुंडे का नाम आकाश उर्फ राणा मोहन कांबले (उम्र 23, निवासी गंगानगर, फुरसुंगी) है। इस मामले में आदित्य नामेश्वर पिंपले (उम्र 20), ओमकार प्रमोद मोरे (उम्र 23), अरुण अनिल यादव (उम्र 24), दत्ता वेंकट गीते (उम्र 20, निवासी चाघे, शेवालवाड़ी, हडपसर, पुणे-सोलापुर रोड) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के साथ मौजूद एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है। आरोपी का साथी भाग गया है और उसकी तलाश की जा रही है। आकाश की मां रेखा कांबले (उम्र 42) ने फुरसुंगी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी और आकाश दोस्त हैं। चार दिन पहले उनके बीच झगड़ा हुआ था। आकाश मंगलवार रात करीब 10 बजे फुरसुंगी के गंगानगर इलाके से निकला था। उसी समय आरोपियों ने उसे पकड़ लिया।

उस पर धारदार हथियार से हमला किया गया। आरोपियों के हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस राजलक्ष्मी शिवंकर, विवेक मसल, असिस्टेंट कमिश्नर अनुराधा उदमाले, पुलिस इंस्पेक्टर राजेश खांडे ने मौके का दौरा किया। भागे हुए चारों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया।

पुलिस कंट्रोल रूम में गैरहाजिरी पड़ी भारी, सहायक निरीक्षक सस्पेंड करने के आदेश

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने पुणे पुलिस कंट्रोल रूम में तय समय पर गैरहाजिर रहने वाले एक असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर को सस्पेंड करने का आदेश दिया है।

सस्पेंड किए गए असिस्टेंट इंस्पेक्टर का नाम अभिजीत प्रभाकर जाधव है। असिस्टेंट इंस्पेक्टर जाधव को 31 मार्च, 2026 को शाम 4 बजे से रात 12 बजे के बीच पुलिस कंट्रोल रूम में 'CRO' (कंट्रोल रूम ऑफिसर) के तौर पर अपॉइंट किया गया था। जाधव पुलिस कंट्रोल रूम में सीनियर्स को बिना कोई पहले से सूचना दिए गैरहाजिर रहे। इस वजह से शहर में होने वाली ज़रूरी घटनाओं की रिपोर्ट पुलिस कंट्रोल रूम से सीनियर अधिकारियों को देने में देरी हुई। पुलिस कंट्रोल रूम में अधिकारियों की एक अहम ज़िम्मेदारी होती है।

पुलिस कंट्रोल रूम में अधिकारी पूरे शहर में हो रही गतिविधियों पर नज़र रखते हैं। इससे पहले भी असिस्टेंट इंस्पेक्टर जाधव बिना पहले से सूचना दिए गैरहाजिर रहे थे। उन्हें सीनियर अधिकारियों ने समय-समय पर समझाया भी था। लेकिन, उनके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। सीनियर अधिकारियों ने जाधव से पूछताछ की। उनके व्यवहार पर गैर-ज़िम्मेदाराना और लापरवाह होने का आरोप लगाया गया। इसके बाद पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने असिस्टेंट इंस्पेक्टर जाधव को सस्पेंड करने का आदेश दिया।

पिछले हफ्ते, सहकारनगर पुलिस स्टेशन के एक असिस्टेंट पुलिस कांस्टेबल और एक कांस्टेबल को सस्पेंड करने का आदेश जारी किया गया है, जिन्होंने गैर-कानूनी धंधे में शामिल एक व्यक्ति से पैसे लिए थे। पुणे सिटी पुलिस फोर्स के तीन पुलिसकर्मियों को एक हफ्ते के अंदर सस्पेंड किया गया है।

पुणे में आधी रात गैस लीक से हड़कंपः दमकल की तेजी से टला बड़ा हादसा, 24 लोग प्रभावित

मुन्ना मुजावर

मार्केट यार्ड में गंगाधाम-बिबवेवाड़ी रोड पर एक केमिकल कंपनी से आधी रात को गैस लीक हुई। फायर ब्रिगेड के लोगों के मौके पर पहुंचने और गैस लीक को रोकने से बड़ी मुसीबत टल गई। केमिकल कंपनी से गैस लीक होने के बाद इलाके के लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। उन्हें तुरंत ससून हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इस घटना में फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी और एक सिपाही को चोट आई है। उन्हें भी इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

गंगाधाम रोड पर आईमाता मंदिर के सामने एक केमिकल कंपनी है। इस कंपनी से आधी रात को बड़े पैमाने पर गैस लीक होने लगी। गैस लीक होने के बाद इलाके के 24 लोगों को बेचैनी होने लगी। आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत की गई। गैस लीक की जानकारी मिलने के बाद फायर ब्रिगेड के लोगों ने तुरंत राहत का काम शुरू किया। सेफ्टी इक्विपमेंट (सेट) पहनकर अधिकारी और सिपाही कंपनी में घुसे। उन्होंने तुरंत गैस लीक को रोका। लोगों को बेचैनी होने की जानकारी मिलने के बाद फायर ब्रिगेड के अधिकारियों और जवानों ने तुरंत लोगों को एंबुलेंस से ससून हॉस्पिटल में भर्ती कराया। 'गैस लीक होने से 24 लोगों को परेशानी हुई। चीफ फायर ऑफिसर देवेंद्र पोटफोडे ने बताया, 'एक फायर ऑफिसर और एक जवान भी प्रभावित हुए। उन्हें ससून हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अच्छी बात ये है कि इस घटना में कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।'

गंगाधाम रोड पर आइमाता मंदिर के पास एक केमिकल कंपनी से गैस लीक हुई। फायर कर्मियों ने जल्दी से गैस लीक रोक दिया, जिससे हादसा टल गया। इस घटना में 24 नागरिक घायल हुए। उन्हें तुरंत ससून हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। ससून हॉस्पिटल में उनका इलाज किया गया।- देवेंद्र पोटफोडे, चीफ फायर ऑफिसर

अमेरिकी नागरिकों पर केस दर्जः धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप

मुन्ना मुजावर

पुणेः खड़क पुलिस स्टेशन में तीन अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने का गैर-संज्ञेय अपराध दर्ज किया गया है। इस संबंध में प्रतीक प्रकाश बोबड़े (उम्र 26, निवासी नटुबाग, सदाशिव पेठ) ने खड़क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जिन अमेरिकी नागरिकों ने गैर-संज्ञेय अपराध दर्ज किया है, वे 21 अप्रैल को टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे। वे 27 अप्रैल को पेठ पहुंचे। शिकायतकर्ता बोबड़े वहां से चले गए थे। उस समय, तीनों अमेरिकी नागरिकों ने उन्हें एक पर्चा दिया। इस पर्चे पर हिंदी, मराठी और अंग्रेजी में पाठ था। संबंधित पाठ धार्मिक प्रचार के बारे में था। संबंधित पाठ पढ़ने के बाद, बोबड़े ने पुलिस में धार्मिक भावनाओं को आहत करने की शिकायत दर्ज कराई। 'बोबड़े द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ गैर-संज्ञेय अपराध दर्ज किया गया है। खड़क पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर शशिकांत चव्हाण ने बताया, 'उन्हें उनके देश वापस भेजने का प्रोसेस शुरू कर दिया गया है।' तीन अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ नॉन-कॉग्निजेबल ऑफेंस दर्ज किया गया है। पासपोर्ट नियमों का उल्लंघन करने के लिए उन्हें भारत वापस भेजने का प्रोसेस शुरू कर दिया गया है। तीनों टूरिस्ट वीजा पर भारत आए हैं।

- कृषिकेश रावले, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, जोन I

सिगरेट के पैसे मांगने पर भड़का गुस्सा, शरीर पर पेट्रोल डालकर रिक्शा चालक पर हमला

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः सिगरेट के पैसे मांगने पर छोटी सी रंजिश रखने वाले दो युवकों ने एक पान टपरी ड्राइवर पर पेट्रोल डालकर उसे आग लगाने की कोशिश की। खुशकिस्मती से युवक की जान बच गई और आरोपियों द्वारा फेंकी गई जलती हुई माचिस की तीली से आग बुझ गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यह घटना सोमवार रात करीब 10 बजे चिखली के तलवड़े इलाके के गणेशनगर में हुई। सचिन सुनील पुनासे (उम्र 25, निवासी मेदंकरवाड़ी, चाकण, मूल निवासी बुराहनपुर, मध्य प्रदेश) और भूषण संजय सुरदकर (उम्र 25, निवासी निगोजे, खेड़, मूल निवासी बुराहनपुर, मध्य प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया गया है। वैभव चंद्रकांत तांबरे (उम्र 25, निवासी मोशी, मूल निवासी वहाली, पाटोदा, बीड जिला) ने इस बारे में चिखली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, शिकायत करने वाले वैभव की गणेशनगर में पान की दुकान है। सोमवार रात करीब 10 बजे आरोपी दुकान से सिगरेट खरीदने गया। लेकिन, जब वैभव ने सिगरेट के पैसे मांगे, तो आरोपी ने पैसे देने से साफ मना कर दिया।

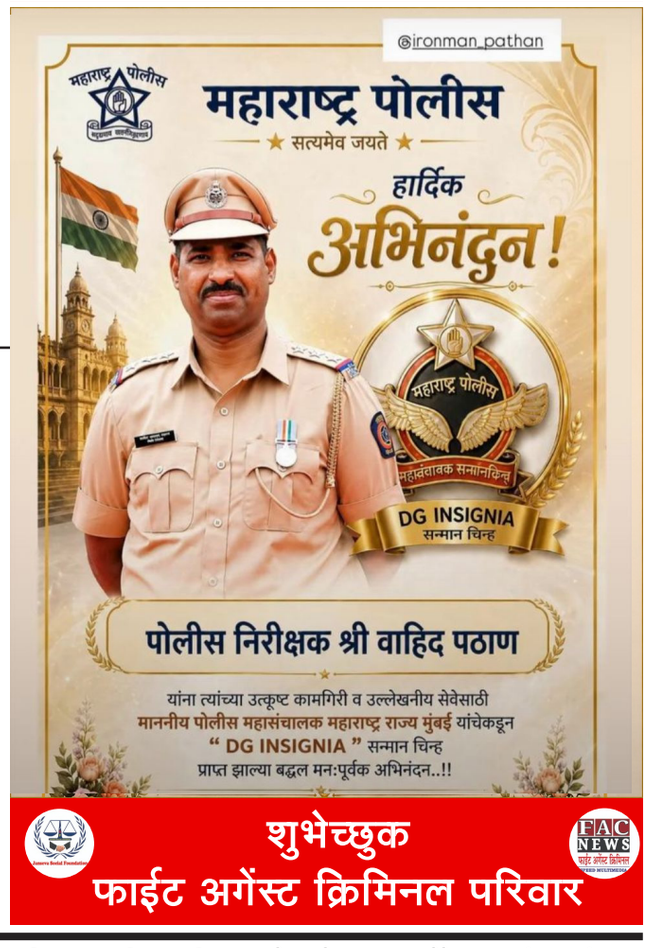

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)